http://krishipravahika.vitalbiotech.org/

कृषि प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका

e-ISSN: 2583 – 0430

कृषि-प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका, (2025) वर्ष 5, अंक 12, 125-126

Article ID:565

राष्ट्रीय पशुधन मिशन (NLM) – किसानों और पशुपालकों के लिए एक क्रांतिकारी पहल

डॉ. प्रफुल्ल कश्यप,
डॉ. निधि रावत,
डॉ. नितिन गड़े,
डॉ. लिक्षवी कुर्रे,
डॉ. रश्मि कश्यप एवं
डॉ. जसमीत सिंह

दाऊ श्री वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़

*अनुरूपी लेखक
डॉ. प्रफुल्ल कश्यप*

भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पशुपालन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। दुग्ध उत्पादन, मांस, अंडा, ऊन, चमड़ा, खाद और कृषिकार्यों में पशुओं का योगदान किसानों की आय और रोजगार का आधार है। पशुपालन न केवल छोटे और सीमांत किसानों के लिए अतिरिक्त आय का स्रोत है, बल्कि यह पोषण सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण में भी अहम भूमिका निभाता है।

इसी महत्त्व को देखते हुए भारत सरकार ने वर्ष **2014-15** में "राष्ट्रीय पशुधन मिशन" **(National Livestock Mission – NLM)** की शुरुआत की। यह योजना पशुधन क्षेत्र के समग्र विकास, उत्पादकता में वृद्धि, नस्ल सुधार, चारा प्रबंधन, और किसानों की आय बढ़ाने पर केंद्रित है।

राष्ट्रीय पशुधन मिशन के मुख्य उद्देश्य

1. **उत्पादकता में वृद्धि** – उच्च गुणवत्ता वाली नस्लों का विकास और वितरण।
2. **पशु स्वास्थ्य में सुधार** – रोग नियंत्रण कार्यक्रम, टीकाकरण और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाना।
3. **चारा और चाराबीज उत्पादन** – हरे और सूखे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
4. **स्वदेशी नस्लों का संरक्षण** – देसी नस्लों की पहचान, संरक्षण और संवर्धन।
5. **किसानों की आय बढ़ाना** – मूल्य संवर्धित पशु उत्पादों का उत्पादन और विपणन।
6. **रोजगार सृजन** – ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को पशुपालन –आधारित व्यवसाय से जोड़ना।

राष्ट्रीय पशुधन मिशन के चार प्रमुख उप-मिशन

NLM को चार प्रमुख उप-मिशनों में विभाजित किया गया है:

1. पशुधनविकासउप-मिशन (Sub-Mission on Livestock Development)

- उच्च गुणवत्ता के प्रजनन पशु और जर्म प्लाज्म का विकास।
- पशुबीज (सीमन) और भ्रूण स्थानांतरण तकनीक का उपयोग।
- पोल्ट्री, बकरी, भेड़, सुअर पालन के लिए बुनियादी ढांचे का विकास।
- आधुनिक डेयरी फार्म, पोल्ट्रीफार्म और बकरी फार्म स्थापित करने के लिए सहायता।

2. पशुस्वास्थ्य और रोग नियंत्रण उप-मिशन (Sub-Mission on Animal Health & Disease Control)

- टीकाकरण कार्यक्रम – जैसे FMD (खुरपका-मुंहपका), PPR, ब्रुसेलोसिस।
- रोगों की निगरानी और निदान के लिए प्रयोगशालाओं की स्थापना।
- मोबाइल वेटरनरी यूनिट्स (MVUs) के माध्यम से गांव-गांव पशु चिकित्सकीय सेवाएं।

3. चारा एवं चाराबीज विकास उप-मिशन (Sub-Mission on Feed & Fodder Development)

- उच्च गुणवत्ता वाले चारा बीज का उत्पादन और वितरण।

- किसानों को हरे चारे की खेती के लिए प्रोत्साहन।
- सिलेज और हाय बनाने की तकनीक को बढ़ावा।
- चारा बैंक और भंडारण सुविधाओं की स्थापना।

4. संस्थागत विकास उप-मिशन (Sub-Mission on Institutional Development)

- पशुपालकों के समूह, सहकारी समितियों और एफ पी ओ (Farmer Producer Organisations) का गठन।
- प्रशिक्षण और कौशल विकास कार्यक्रम।
- बाजार ढांचा और ई-मार्केटिंग सुविधाएं।

राष्ट्रीय पशुधन मिशन के अंतर्गत मिलने वाली प्रमुख सहायता

1. **वित्तीय सहायता** – केंद्र और राज्य सरकार की साझेदारी से अनुदान।
2. **तकनीकी सहायता** – आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन।
3. **बाजार संपर्क** – किसानों को सीधे बाजार और खरीदारों से जोड़ना।
4. **बीमा सुविधा** – पशुओं के लिए बीमा योजना का लाभ।

किसान कैसे लाभ उठा सकते हैं ?

- आवेदन प्रक्रिया – इच्छुक किसान अपने नजदीकी पशुपालन विभाग, जिला पशुचिकित्सा अधिकारी कार्यालय, या राज्य सरकार के पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।
- दस्तावेज़ – आधारकार्ड, बैंक पासबुक, भूमि दस्तावेज़/किरायानामा, फोटो, और यदि हो तो पशुपालन व्यवसाय का विवरण।
- ऑनलाइन पोर्टल – कई राज्यों ने NLM के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा भी शुरू की है।

राष्ट्रीय पशुधन मिशन का प्रभाव

- दुग्ध उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि।
- स्वदेशी नस्लों की संख्या और गुणवत्ता में सुधार।
- ग्रामीण युवाओं को पशुपालन व्यवसाय में रोजगार के अवसर।
- पशु रोगों की घटनाओं में कमी।
- किसानों की आय में 20-30% तक वृद्धि।

भविष्य की दिशा

NLM को **PM Matsya Sampada Yojana, Rashtriya Gokul Mission,** और **Digital Livestock Traceability System** जैसे कार्यक्रमों से जोड़कर और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है। भविष्य में डिजिटल आई डी**,** पशु स्वास्थ्यकार्ड**,** और **AI** आधारित पशु निगरानी प्रणाली जैसी तकनीकों का उपयोग भी इसमें शामिल किया जाएगा।

निष्कर्ष

राष्ट्रीय पशुधन मिशन, पशुपालन क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक मजबूत कदम है। किसानों को चाहिए कि वे इस योजना की जानकारी प्राप्त करें, आवेदन करें और सरकारी सहायता से अपने पशुपालन व्यवसाय को नई ऊँचाइयों तक ले जाएं। यह न केवल उनकी आय बढ़ाएगा, बल्कि भारत को दुनिया में पशुधन उत्पादों का अग्रणी उत्पादक बनाने में भी मदद करेगा।